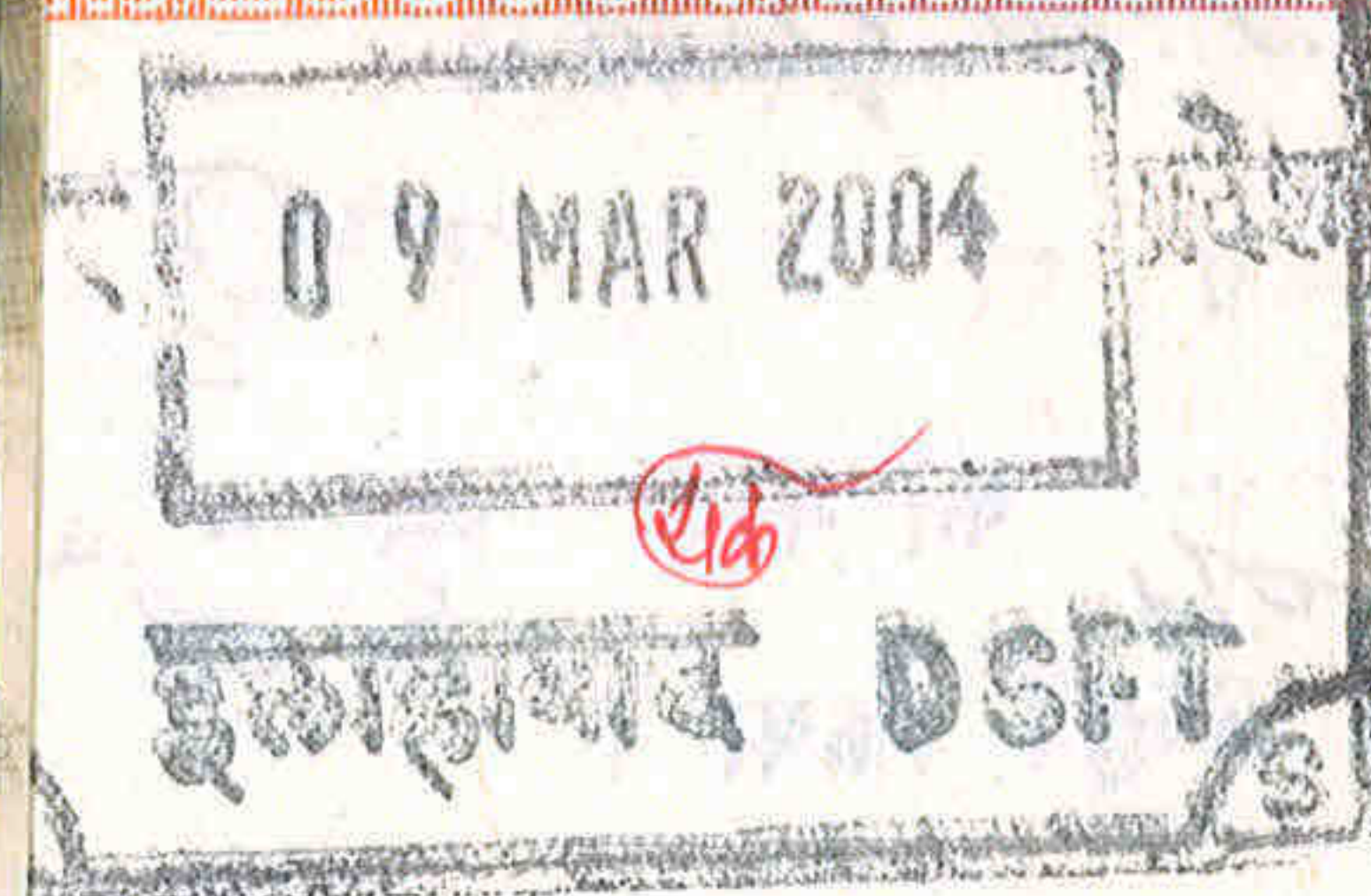


52



01DD 415796



श्री प्रेमचन्द्र

श्री प्रेमचन्द्र

श्री प्रेमचन्द्र

विक्रयपत्र

हम कि शम्भूलाल व किशोरी पुत्रगण वजनाथ निवासीगण चक मुन्हेरा

परगना व तहसील सदर जनपद इलाहाबाद ----- विक्रेतागण। प्रथमपदा

व

शेषारचन्द्र जैन पुत्र श्री प्रेमचन्द्र जैन निवासी ३७ बाहचन्द शहर इलाहाबाद

----- क्रेता। द्वितीयपदा

विदित हो कि विक्रेता। प्रथमपदागण बाराजी बाँके मीजा

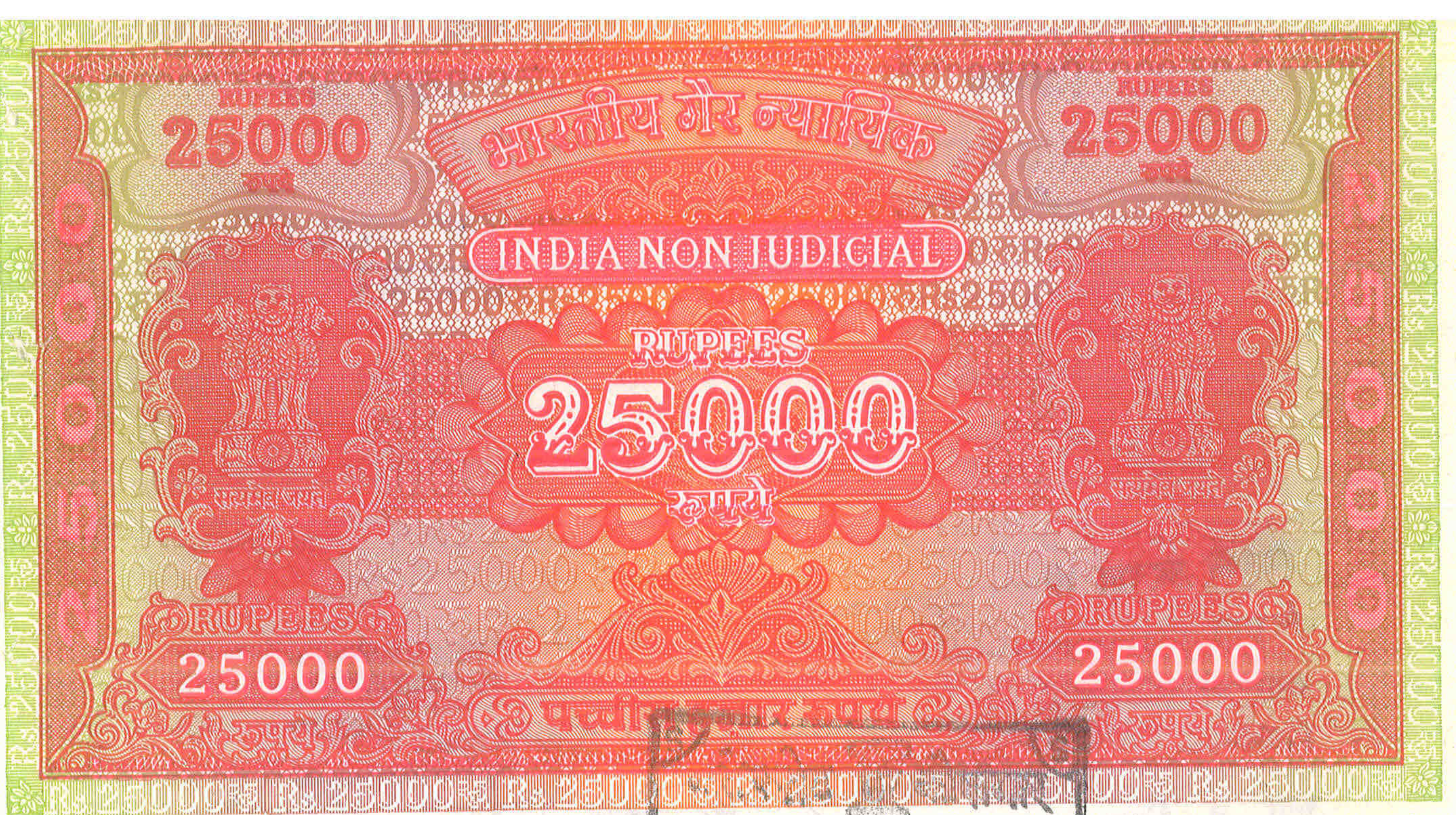
चक मुन्हेरा तहसील सदर जनपद इलाहाबाद की बाराजी नम्बर ६४

रकबा ०. ३२० हे० के १।४ भाग व बाराजी नम्बर ६५ रकबा ०. १६० हे०

व ६६ रकबा ०. १६० हे० के १।१० भाग के तनहा भूमिधर मालिक का विज

श्री प्रेमचन्द्र

ब्रह्म विज्ञान (सदर)



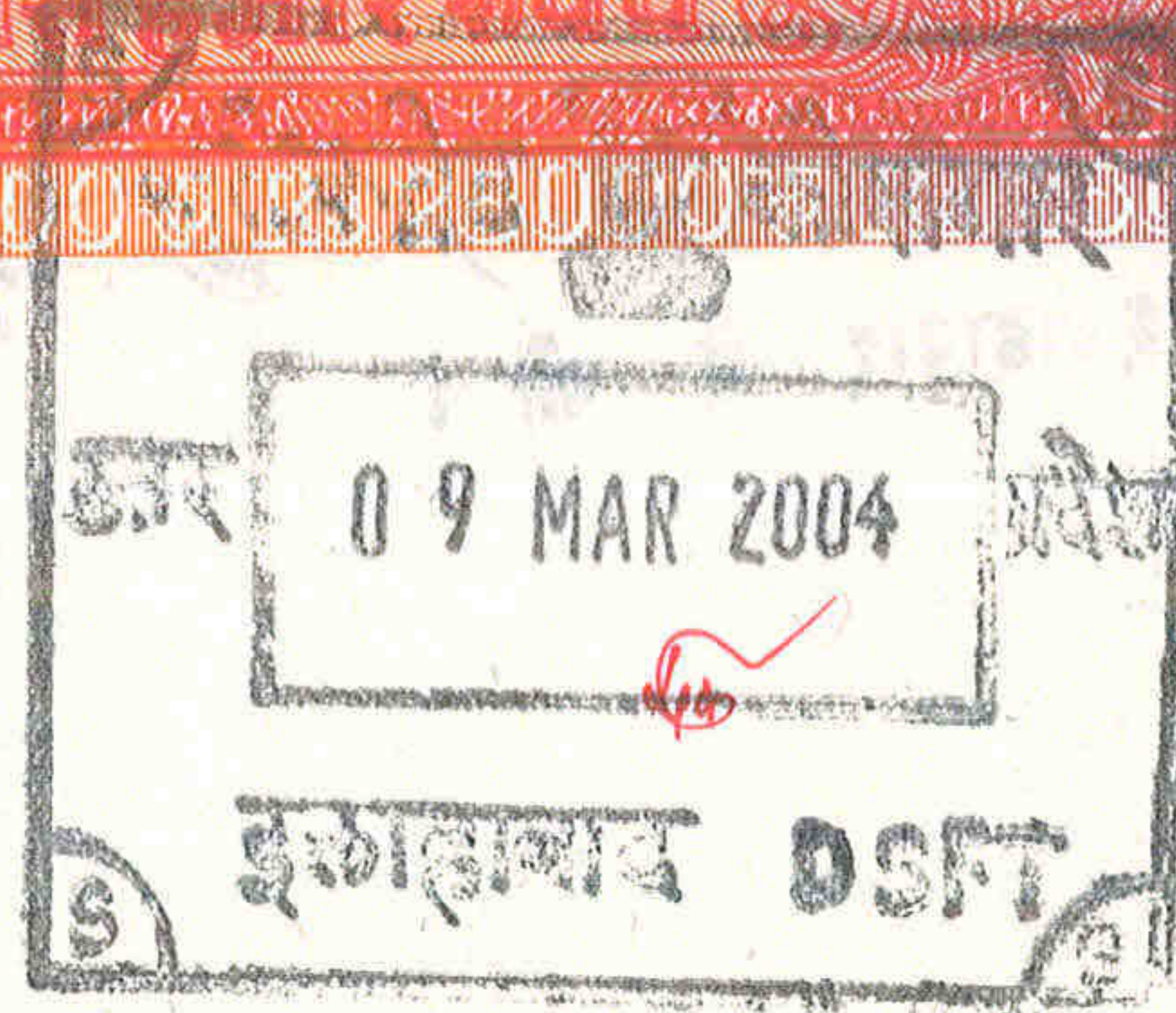
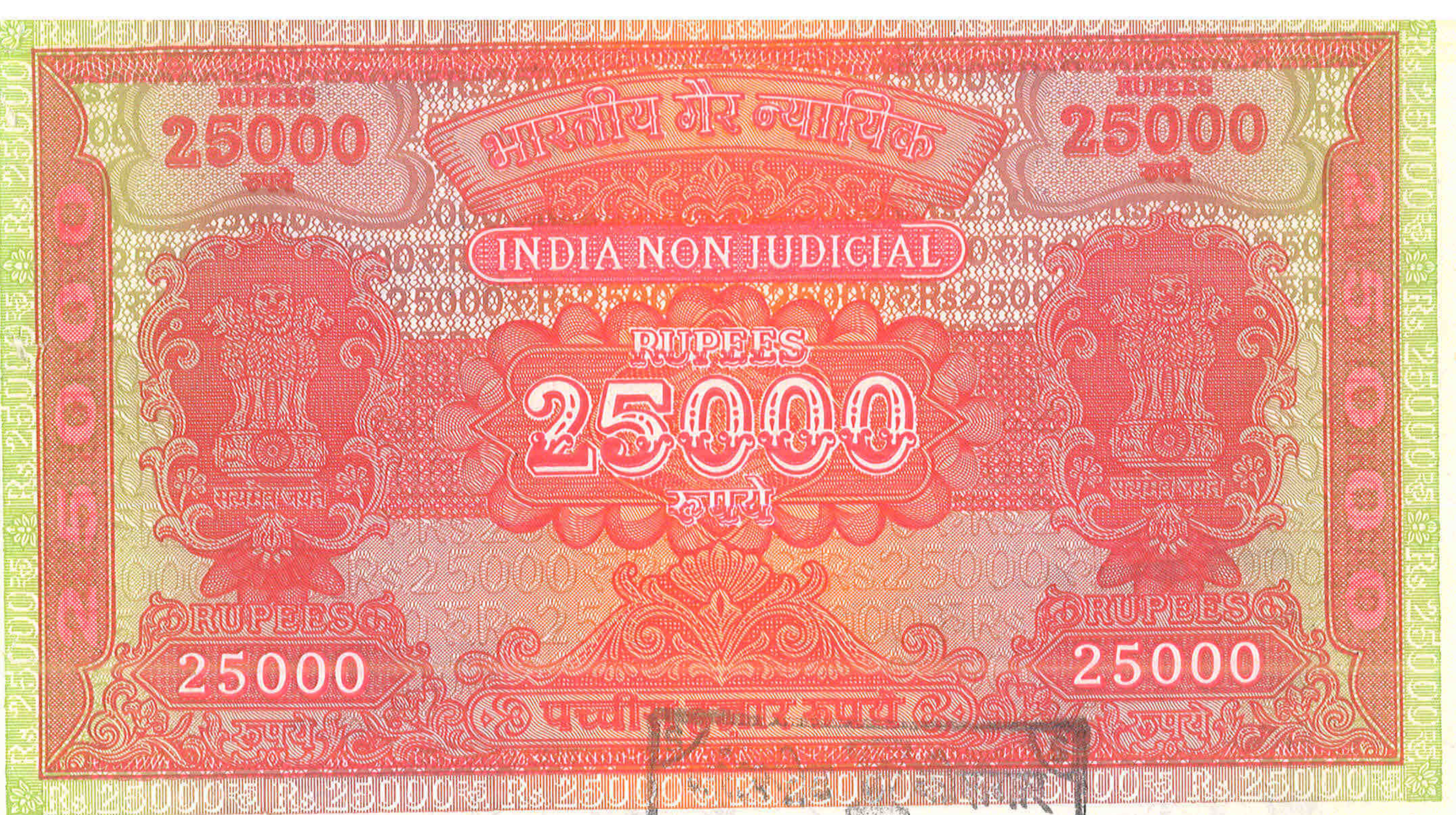
01DD 415795

२

व दखील है । यह बाराजियात विक्रितागण की पैत्रक है । विक्रितागण के अलावा विक्रितागण के हिस्से में कोई अन्य वारिसान हिस्सेदार व सामाजीदारनही है जोकि हरप्रकार के भार व प्रभार से सर्वथा मुक्त है तथा कही रहन क्या पटटा या गिरवी नही है । विक्रितागण को इस समय अपने निजी व्यय स्वम कारोवार की उन्नति के लिये तथा पारिवारिक ताम जखरती को पूरा करने के लिये रुपयों की सख्त जरूरत है सिवाय उक्त भूमि के अपने भाग जिसका पूर्ण विवरण नीचे दिया जा रहा है को विक्रय करने के रुपयामिलने की दूसरी सूरत नही दिखलाई पड़ रही है लिहाजा विक्रितागण प्रथमपदा अपनी राजी

Handwritten signature/initials in blue ink.

Handwritten signature/initials in blue ink.



01DD 415795

व दखील है । यह बाराजियात विक्रितागण की पैत्रक है । विक्रितागण के अलावा विक्रितागण के हिस्से में कोई अन्य वारिसान हिस्सेदार व सामाजीदारनही है जोकि हरप्रकार के भार व प्रभार से सर्वथा मुक्त है तथा कही रहन क्या पटटा या गिरवी नही है । विक्रितागण को इस समय अपने निजी व्यय स्वम कारोवार की उन्नति के लिये तथा पारिवारिक ताम जखरती को पूरा करने के लिये रुपयो की सख्त जरूरत है सिवाय उक्त भूमि के अपने भाग जिसका पूर्ण विवरण नीचे दिया जा रहा है को विक्रय करने के रुपयामिलने की दूसरी सूरत नही दिखलाई पड़ रही है लिहाजा विक्रितागण प्रथमपदा अपनी राजी

2/2/2004

2/2/2004

दिनांक 11/3/04 जनरल/कोर्ट फीस रुपया 2000

नाम व पता 22 कालो डि पेक वरुण

हस्ताक्षर 11/3/04

जिनकी पहचान श्री.....

निवासी वनवत सिंह पुत्र श्री मेघवी

तथा श्री को छोड़कर

निवासी कामेश्वर सिंह पुत्र श्री जीवन्त सिंह

शहर व जिला इलाहाबाद ने की।

उप निबंधी
सदर-इलाहाबाद
11-3-04

2/2/2/2/2

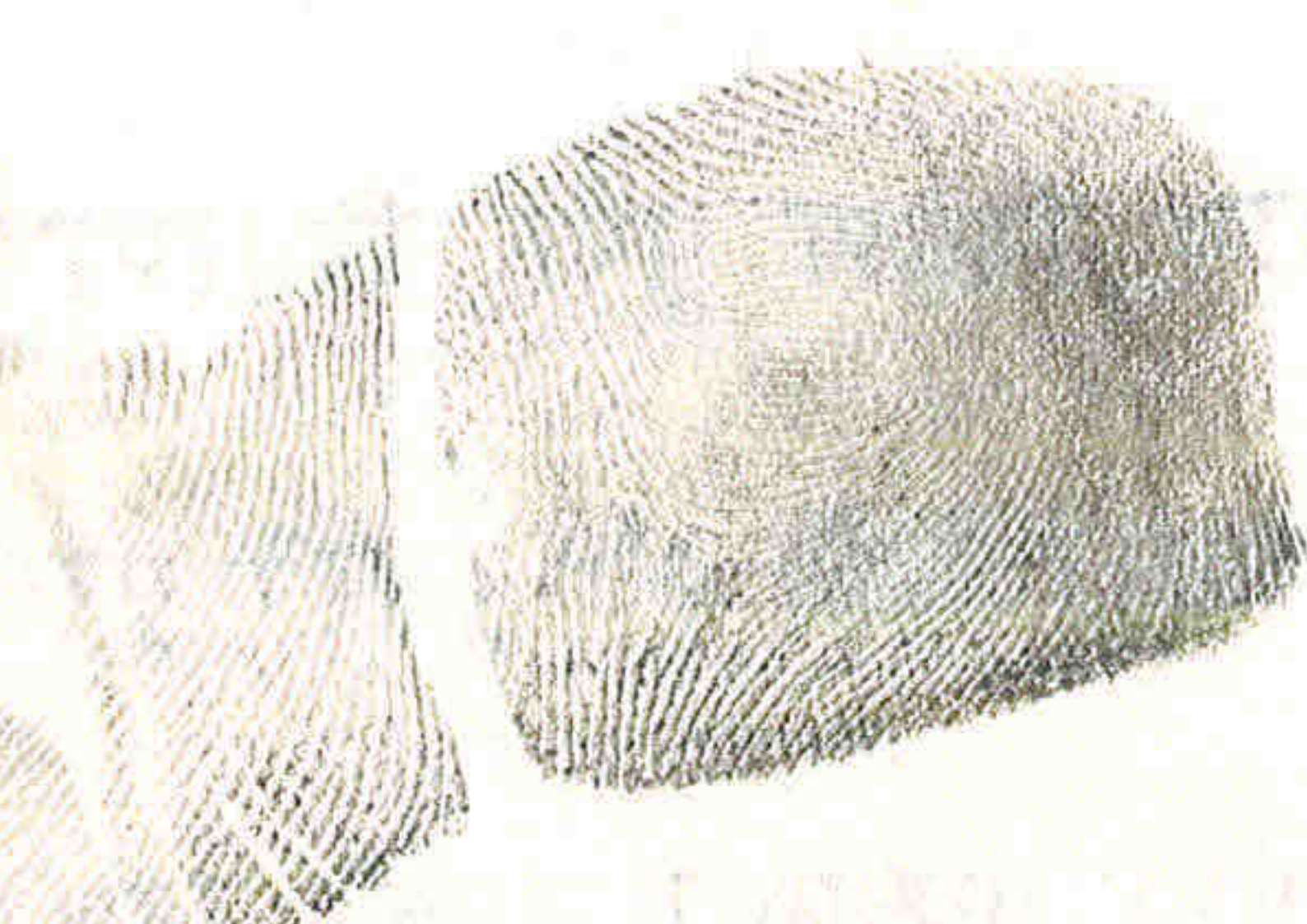
सिंह वरुण सिंह

हीन वरुण सिंह



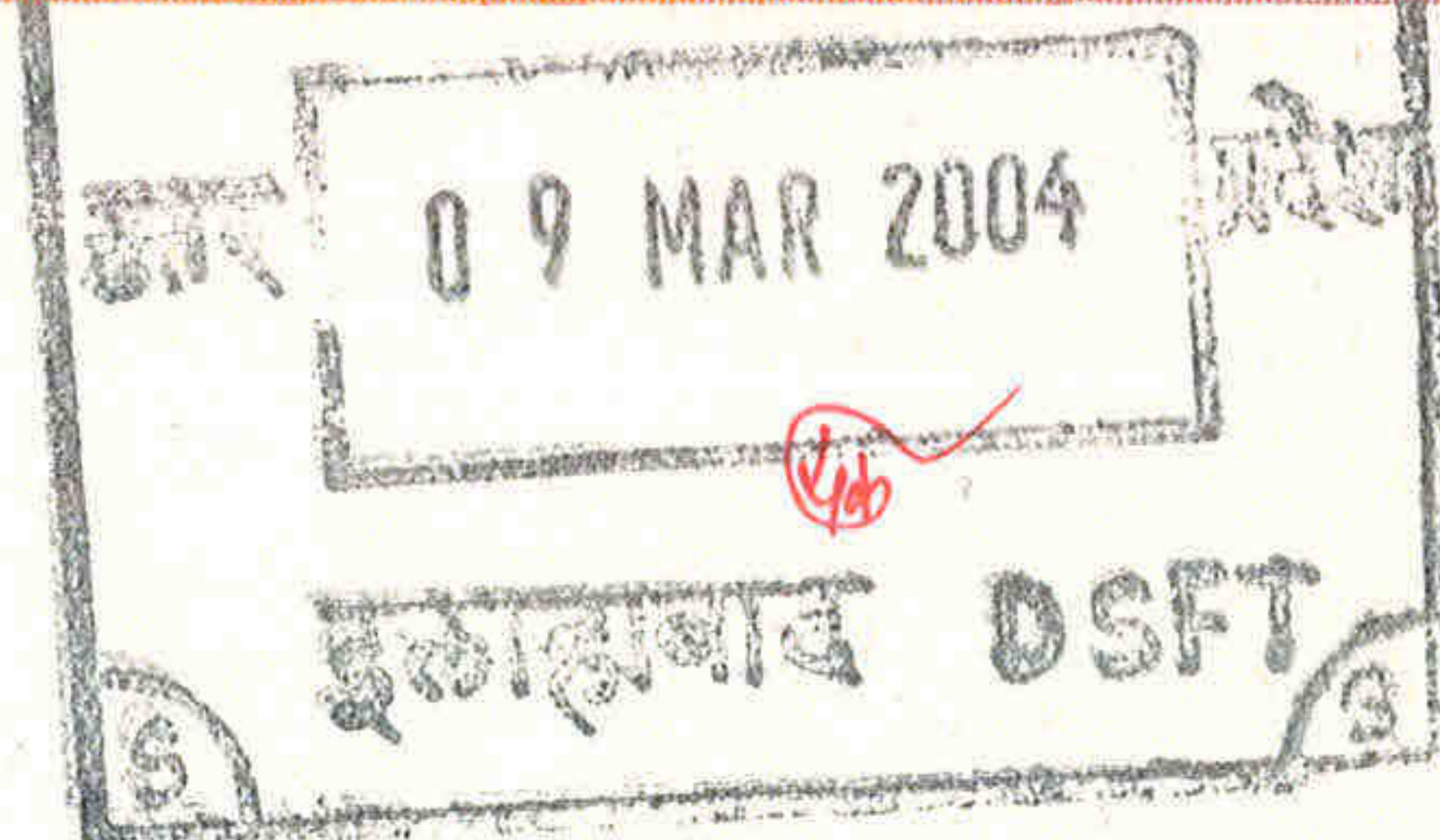
अनवरुण सिंह

अनवरुण सिंह



उपरोक्त प्रगटतः भले साधियों के अंगुष्ठ चिह्न अनियम लिए गये हैं।

11-3-04



01DD 415794

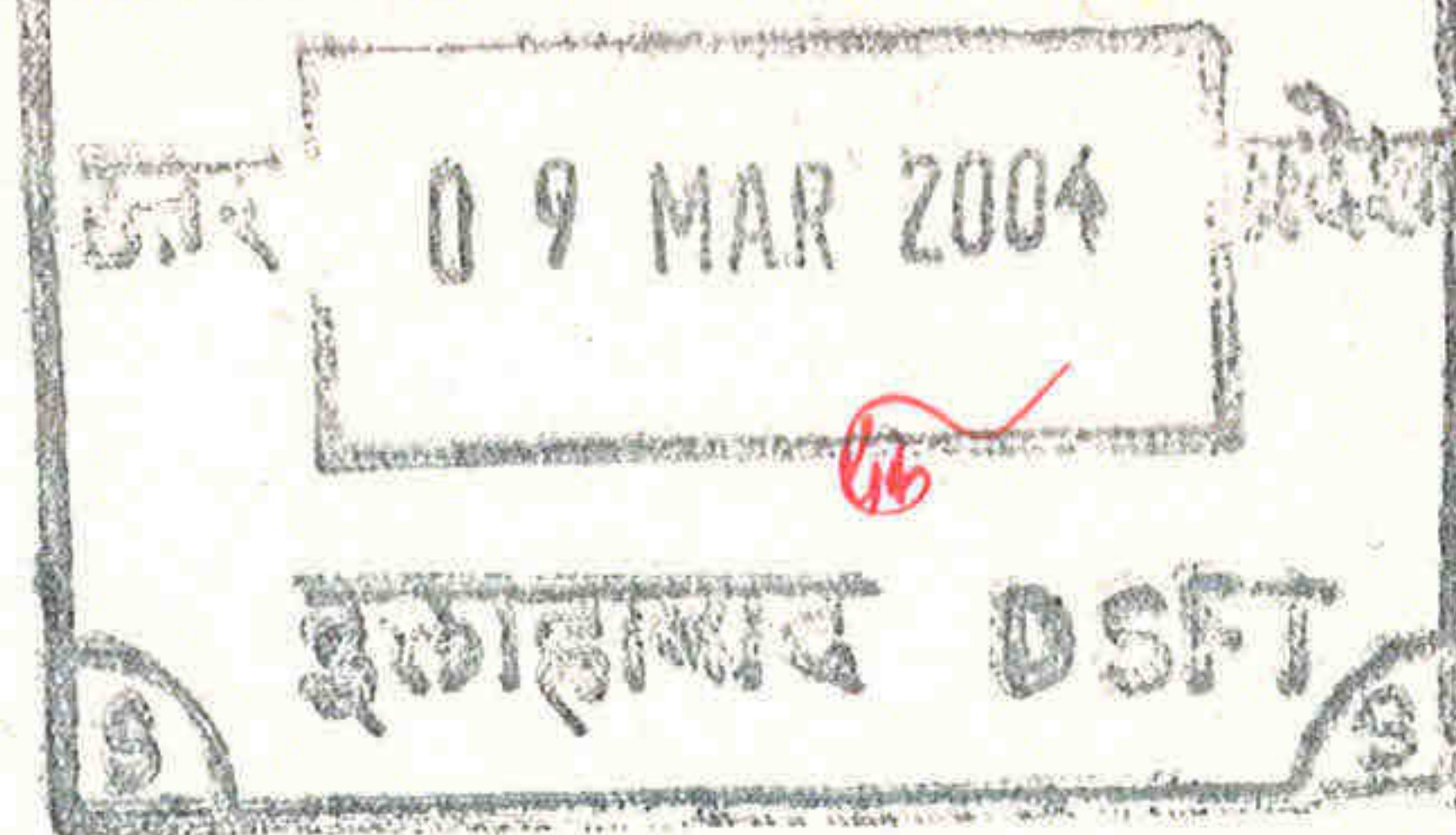
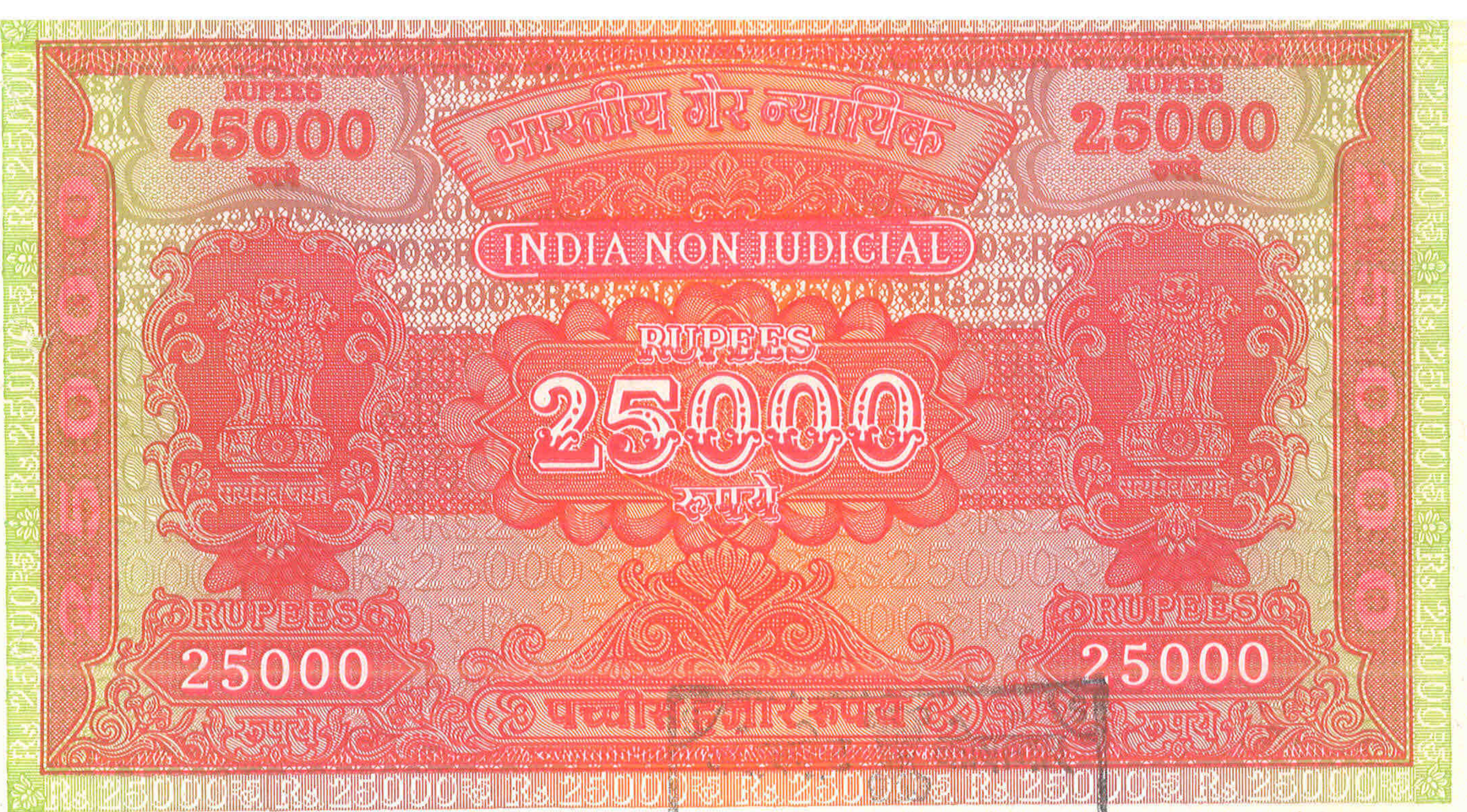
३

व खुशी से विला किसी के वल्काये व पुगलये दुस्त होश हवास मे
स्वस्थ मन व बुद्धि से भूमि निम्नलिखित के अपने सम्पूर्ण भाग
निम्नलिखित को वरवज मु० ५३७००० पांच लाख सतिस हजार रुपया
कि जिसका बाधा मु० २६८५०० दो लाख बरसठ हजार पांच सौ रुपया
होता है वदस्त वहक श्री शेषारचन्द्र जेन पुत्र श्री प्रेमचन्द्र जेन निवासी
३७ चारुचन्द इलाहाबाद (क्रेता द्वितीयपदा) के बेचा व क्य कामिल
किया। क्रेता द्वितीयपदा से प्रथमपदा को कुल विक्रय मूल्य मु० ५३७०००)
पांच लाख सतिस हजार रुपया आज नकद समदा उपनिवन्धक सदर

21/2/2004

अ. श. श. श.

37. 35825 B.M. W. 10304
हस्ताक्षर



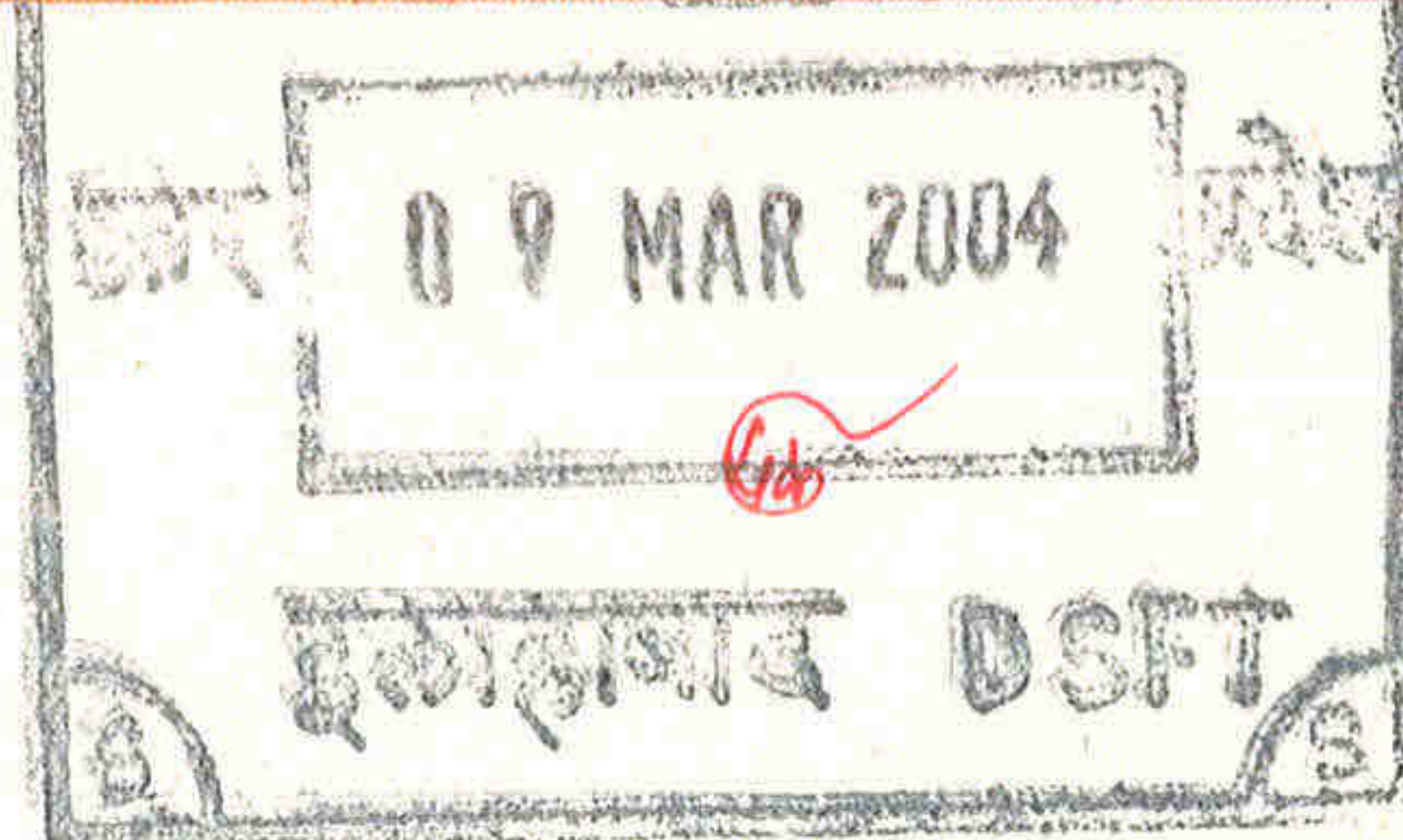
01DD 415793

४

इलाहाबाद के प्राप्त होगया। अब विक्रेता प्रथमपदा काक्रेता द्वितीय पदा के जिम्मे वावत जरसमन स्क भी पैसा काकी नही रहा। यही तहरीर निसवत वसूलयाव ी कुल जरसमन के कापनी है रसीद जुदागाना लिखने की जरूरत नही है। जायदाद किकीछु पर से विक्रेतागण ने अपना कब्जा व दखल उठा लिया और मिसल अपने मालिकाना तौर पर क्रेता द्वितीयपदा को काविज वदखील करा दिया। अब बवजह लिख देने दस्ताविज हाजावहक क्रेता जायदाद किकीछु में विक्रेतागण प्रथमपदा का कुछ भी हक वहिस्ता कब्जा

21/2/2004

21/2/2004



01DD 415792

५

व दखल वाकी नहीं रहा। आज की तारीख से जायदाद क्वीट्टी का तनहा मालिक का विज व दखिल क्रेता हुआ उसको एक हासिल है कि वावत जायदाद क्वीट्टी जो जो तसख्खत मालिकाना चाहें अमल में लावे और नाम अपना दर्ज कागजात सकारती करा लें। अगर जायदाद क्वीट्टी बजह नुकस मिल कियत या फल बेजा हम क्वीटागण प्रथमपदा या दायिदारी किसी दोगर सरस के क्रेता के कब्जा व दखल से निकल जावे जिससे कि क्रेता का नुकसान व खिसारा होवे तो क्रेता द्वितीयपदा को एक हासिल होगा कि वह अपना कुल जर समन मय नुकसान व खिसारा के क्वीटागण प्रथमपदा की जात व जायदाद

2/2/2004

अशोक लाल

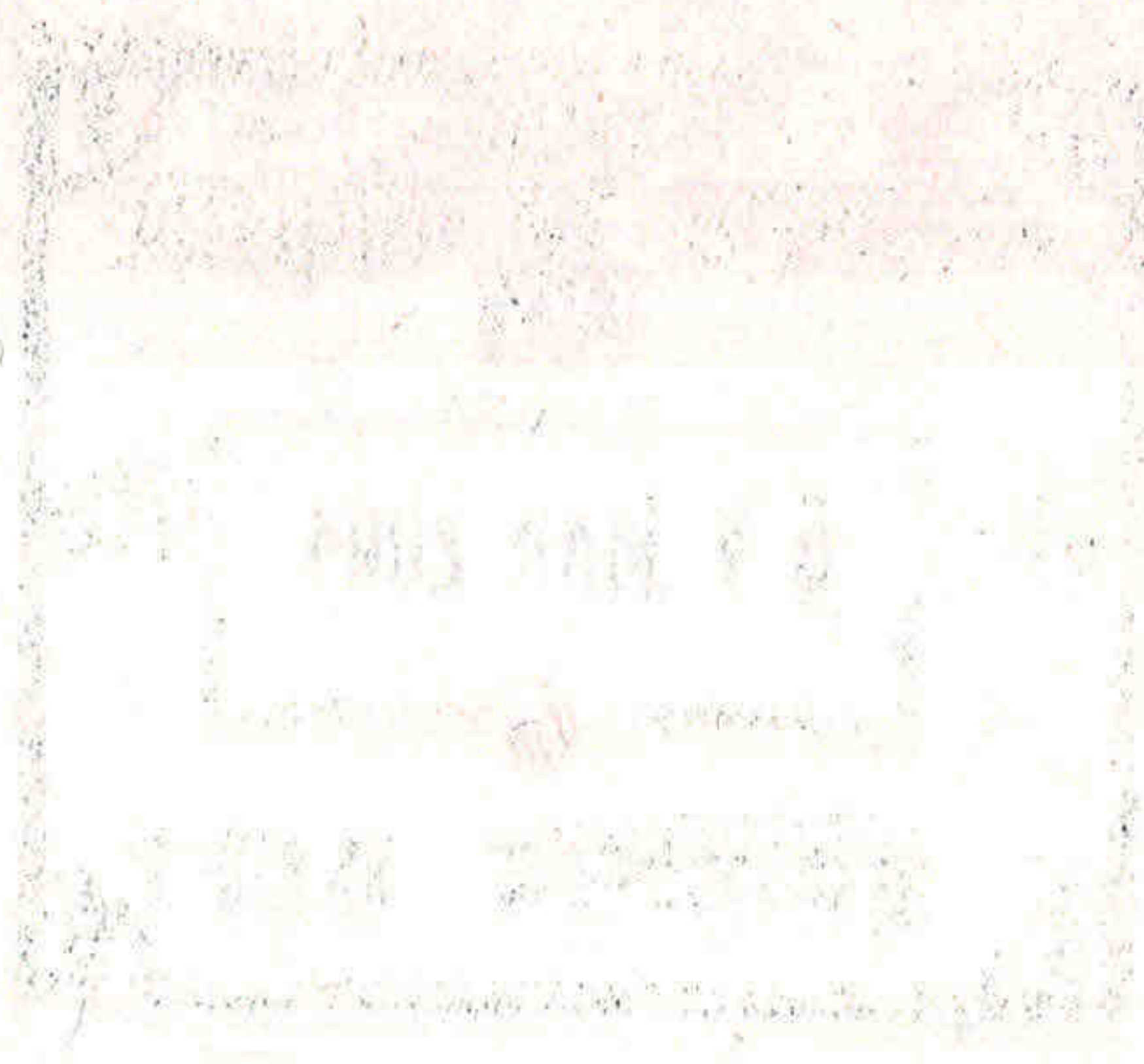
कलकत्ता कोषागार-इलाहाबाद

दिनांक 11/3/04 जनरल/कोर्ट पीर रुपया 25000

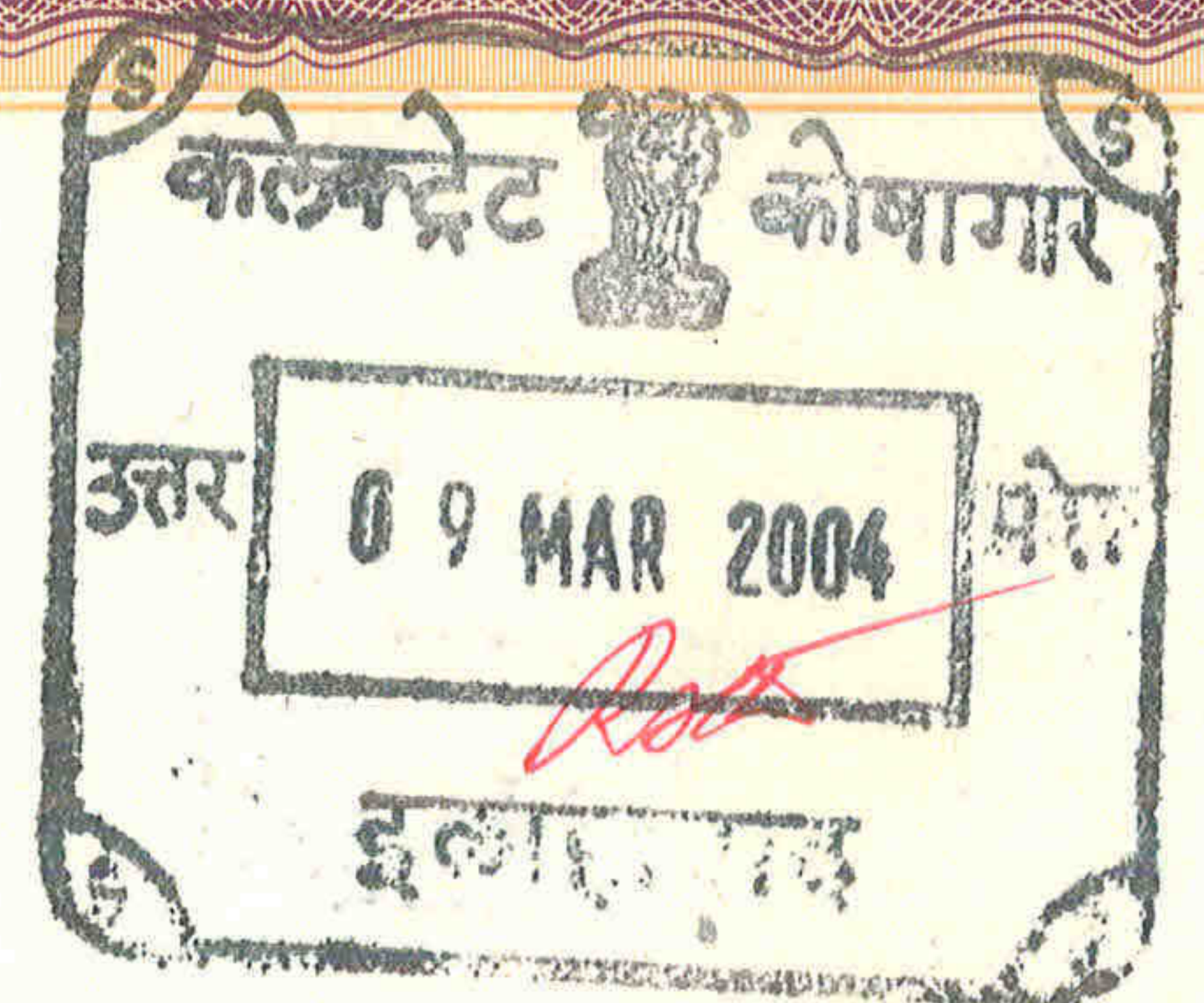
नाम व पता श्री श्री चन्द्रशेखर शिरोमणि मंडल बंदा

37, गुरुचरित, इलाहाबाद

हस्ताक्षर 11/3/04



Red handwritten mark or signature at the bottom center.



६

मनकूला व गैर मनकूला से जिस तरह से बाँझा वसूल कर लेगा इसमें
 विक्रैतागण प्रथमपदा व उनके वारिसान कायममुकामान को कुछ
 उज्र वस्तराज न होगा।

लिहाजा यह क्यानामा कर्त लिख दिया कि सनदरह और कत
 जरूरतपर काम आवे।

तहसील जायदाद मुक्या

वाके मौजा चकमुन्डेरा परगना व तहसील सदर जिलाहलाहावाद

की बाराजी नम्बर- ६४ रकबा ०.३२० हे० का १।४ भाग हिस्सा

विक्रैतागण प्रथमपदा अपनाकुलका कुल विक्रय किया तथा बाराजी

११/११/११

स्टाम्प विक्रय की तिथि 11-3-2004

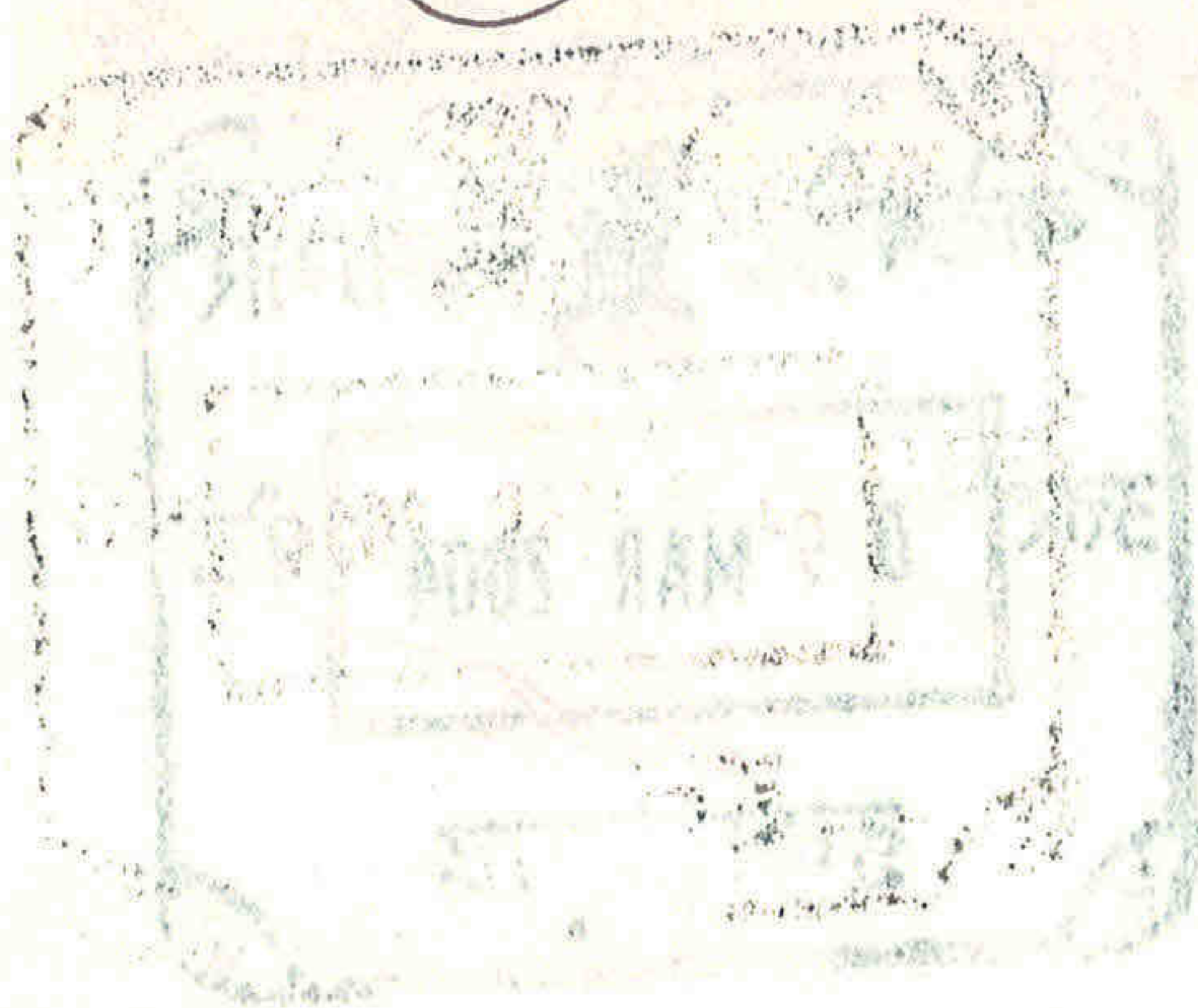
स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन खुनासा

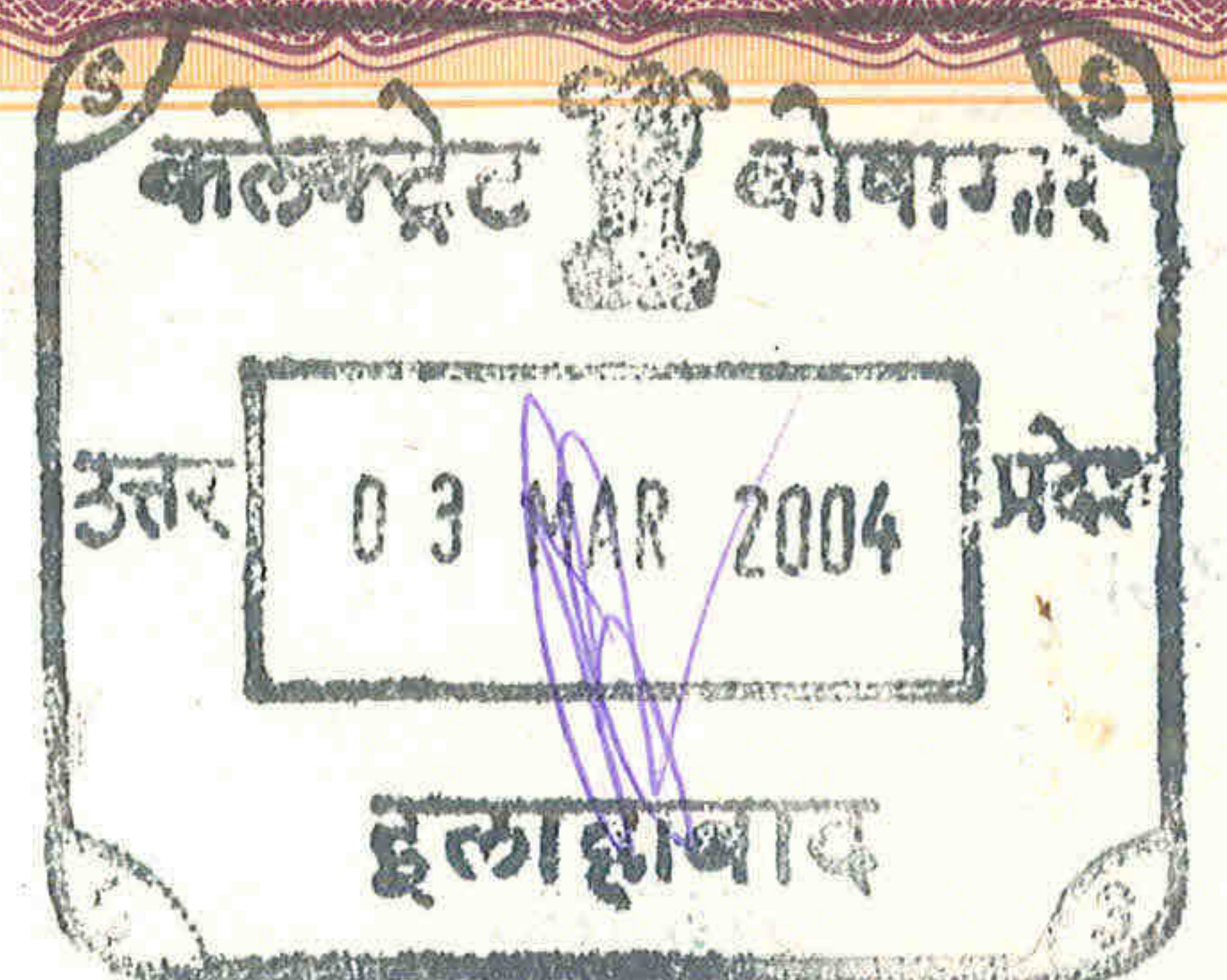
स्टाम्प क्रय का नाम व पूरा पता श्री सर चन्द्र जैन पुत्र श्री प्रेम चन्द्र जैन

सू 37 चाहे च-4 50000
स्टाम्प का धनराशि 50000

Gah स्टाम्प विक्रेता उमा शंकर
लै 0 127 चौरासी खम्भा कचेहरी, इला 0
ल 0 की अवधि 1-4-03 से 31-3-04 तक

(284)





७

नम्बर - ६५ रकवा ०. १६० हे० व ६६ रकवा ०. १६० हे० कुल दो
गाटा कुल रकवा ०. ३२० हे० का १।१० भाग हिस्सा विक्रीतागण ।
प्रथमपक्षा अपनाकुल का कुल विक्रय किया इसप्रकार कुल विक्रित रकवा
१११२ कर्मीटर विक्रय किया गया विक्रित भूमि की चौहद्दी- उत्तर-
बाराजी नम्बर ६७ व ७१ (प्रेमचन्द्र व हेमचन्द्र 'जन) दक्षिण-बाराज
नम्बर ६० प्रेमचन्द्र हेमचन्द्र 'जन) पूरव- बाराजी नम्बर ६४ व ६५ व
६६ का जुज भाग। पश्चिम- बाराजी नम्बर ६४ व ६५ व ६६ का
जुजभाग जिसके मालिक अनूपचन्द्र 'जन' है। विक्रित भूमि में कोई निर्माण

21/11/2004

अशोक कुमार

स्टाम्प विक्रय की तिथि 11-3-2004

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन बूनागा

स्टाम्प क्रेता का नाम व पूरा पता शेखर चन्द्र जैन पुत्र श्री प्रेम चन्द्र जैन

सं० 37 चाँद चन्द्र इलाहाबाद

स्टाम्प की मात्रा—

1000

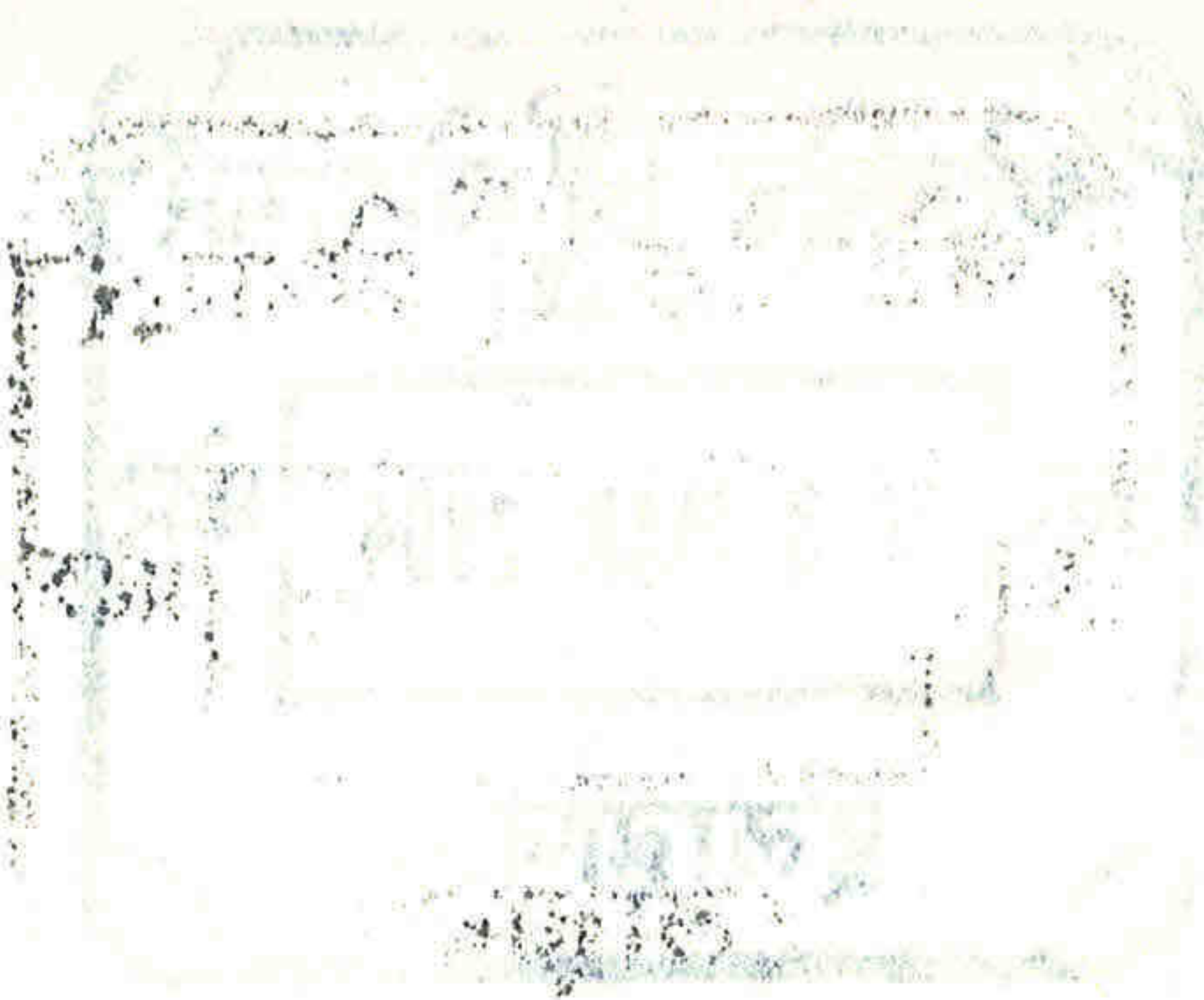
Signature

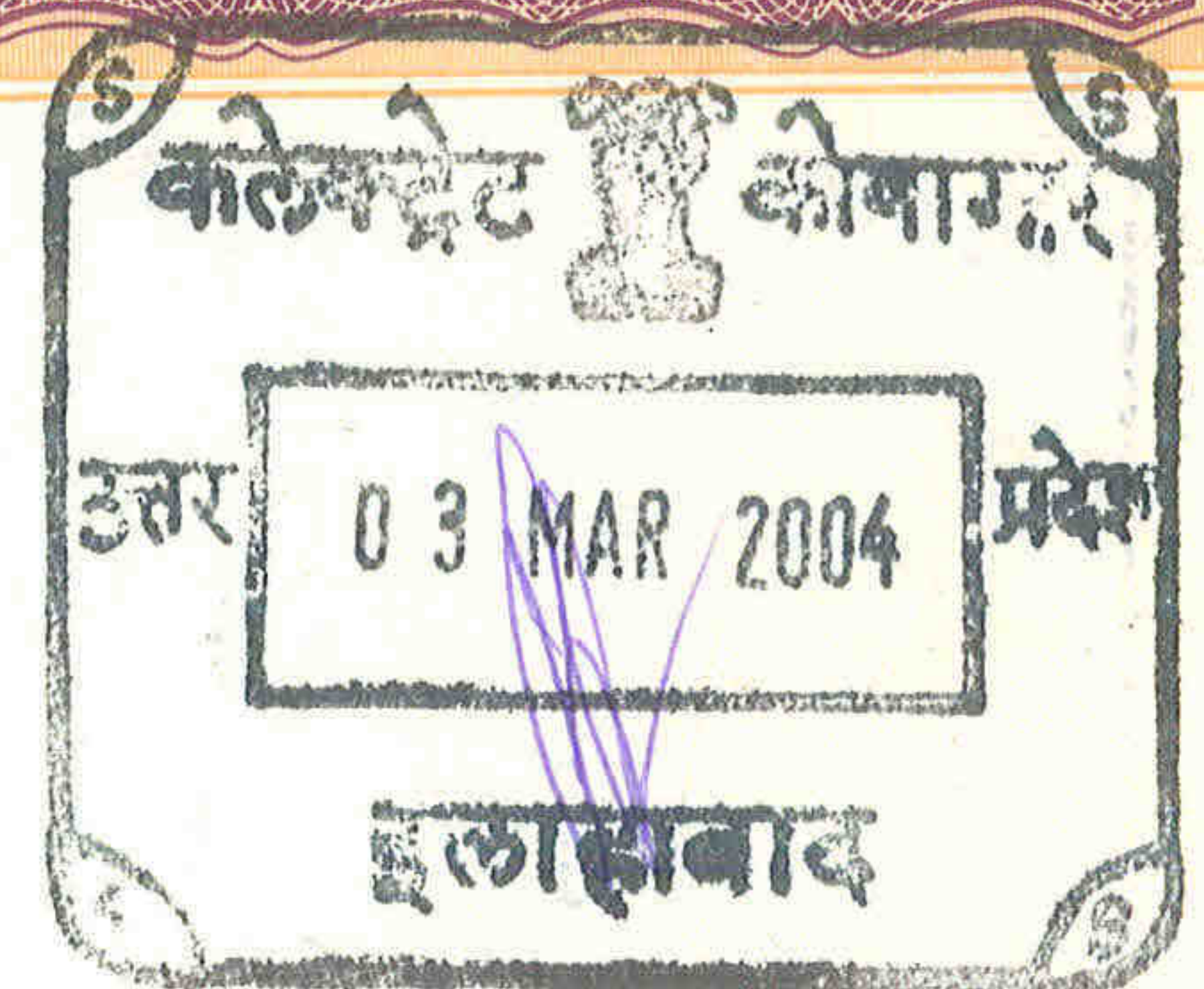
स्टाम्प विक्रेता जमा संकर

सं० नं० २७ चौरासी खम्भा कचेहरी, इला०

ल० की अवधि १-४-०३ से ३१-३-०४ तक

287





नहीं है मॉकेपर खुली भूमि की शकल में है। तथा विक्रित भूमि आवासीय प्रयोजन की भूमि है जिसे क्रेत क्रय करके अपने आवासीय प्रयोगमें लावेंगा। विक्रित भूमि सड़क से 300 मीटर दूर अवस्थित क्षेत्र में स्थित है जिसकी सरकारी मालियत मु० १२०० रुपये प्रतिचौकीटर की दर से मु० १३३४४०० रुपये होती है और मु० १३३५००० रुपये की मालियत पर स्टाम्प मु० १३३५०० रुपये का अदा किया जा रहा है। यह भूमि

20/2/2004

अतिरिक्त

कालिका जैन

स्टाम्प विक्रय की तिथि 11-3-2004

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन होना

स्टाम्प केला का नाम व पूरा पता श्री प्रमोद चन्द्र जैन पुत्र श्री प्रेम चन्द्र जैन

रकम रु० 37 चाँद चन्द्र 5 लाख 1000

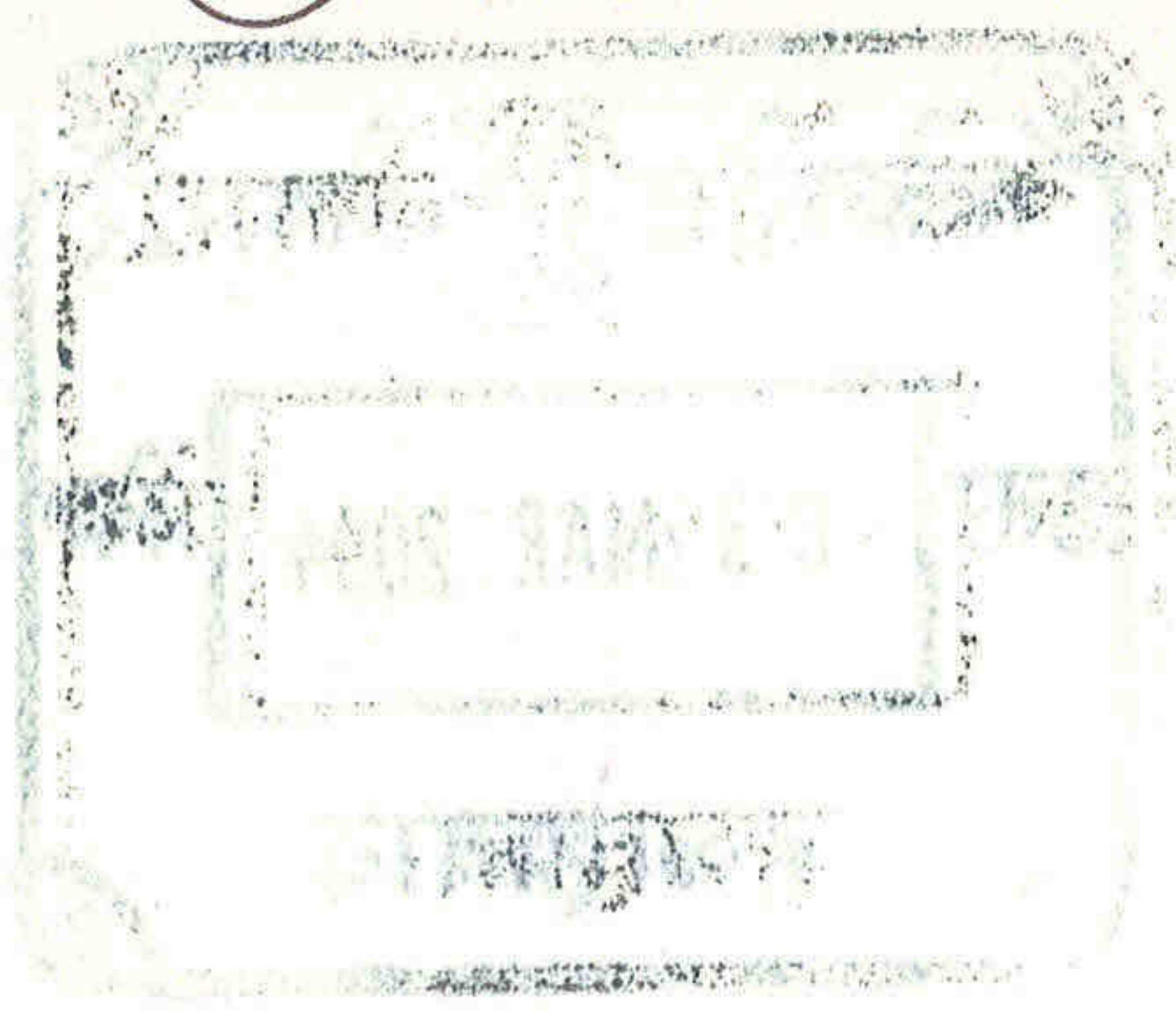
Signature

स्टाम्प विक्रेता जमा शंकर

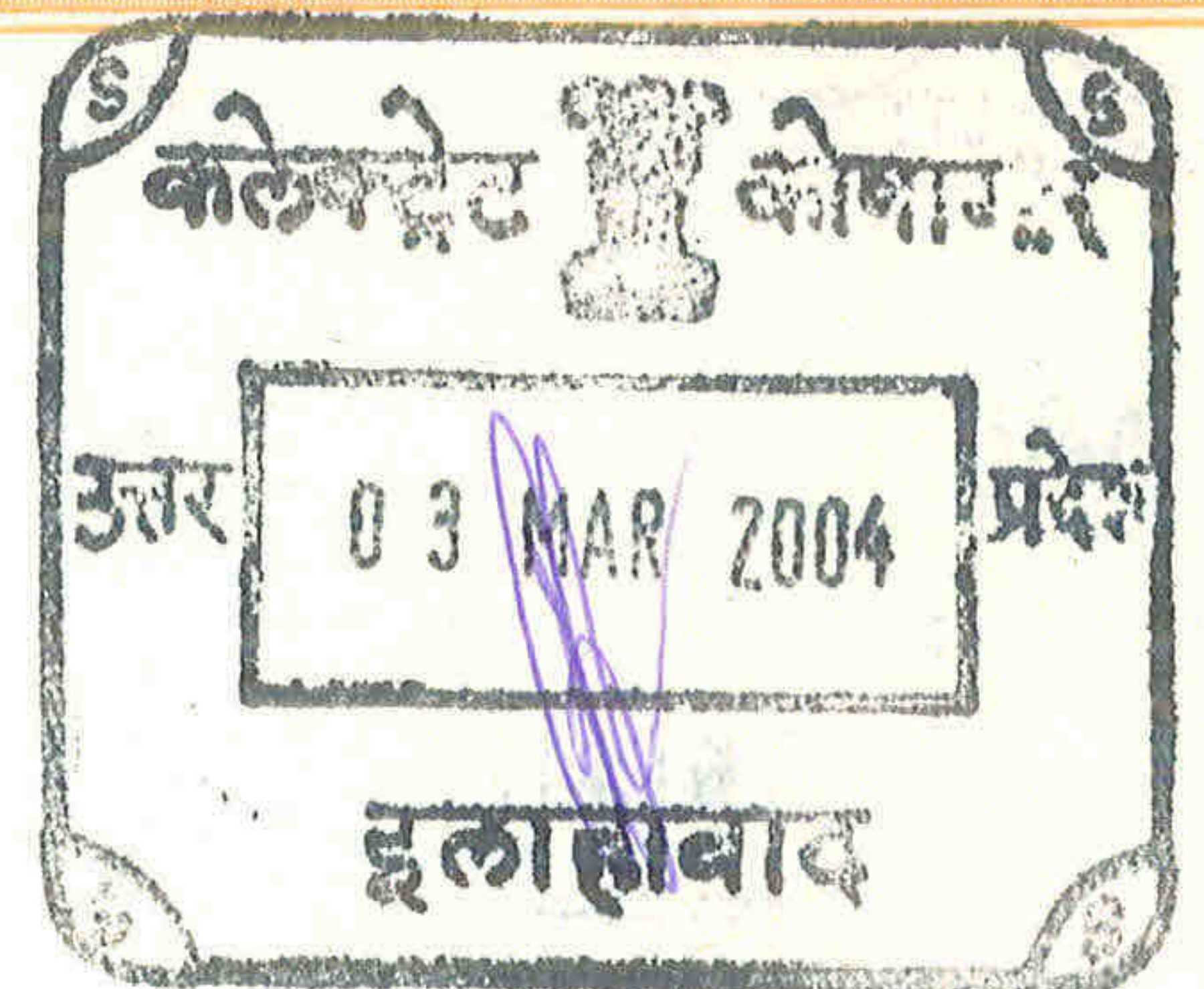
सै० नं० १२७ चौरासी जम्मा कचेहरी, इला०

ल० की अवधि १-४-०३ से ३१-३-०४ तक

286



1000Rs.



वकालत ट्रस्ट नजूल व घट्टा की भूमि नहीं है।

गवाहान-१- बलवन्तसिंह पुत्र महाबीर नि० चकमुन्डेरा इलाहाबाद

११/३
२- राम विशाल पाल सडवौकेट , धर्मशाला कचहरी इलाहाबाद

01/03/2004

महामहोदय

करीब ११/३/०४

स्टाम्प विक्रय की तिथि 11-3-2004

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन सैन्य

स्टाम्प क्रय का नाम व पूरा पता श्री 102 चन्द्र जैन पुत्र श्री प्रेमचन्द्र जैन

रप्ता 37 चाहे चन्द्र मोहलाल
स्टाम्प की धराराशि 10000

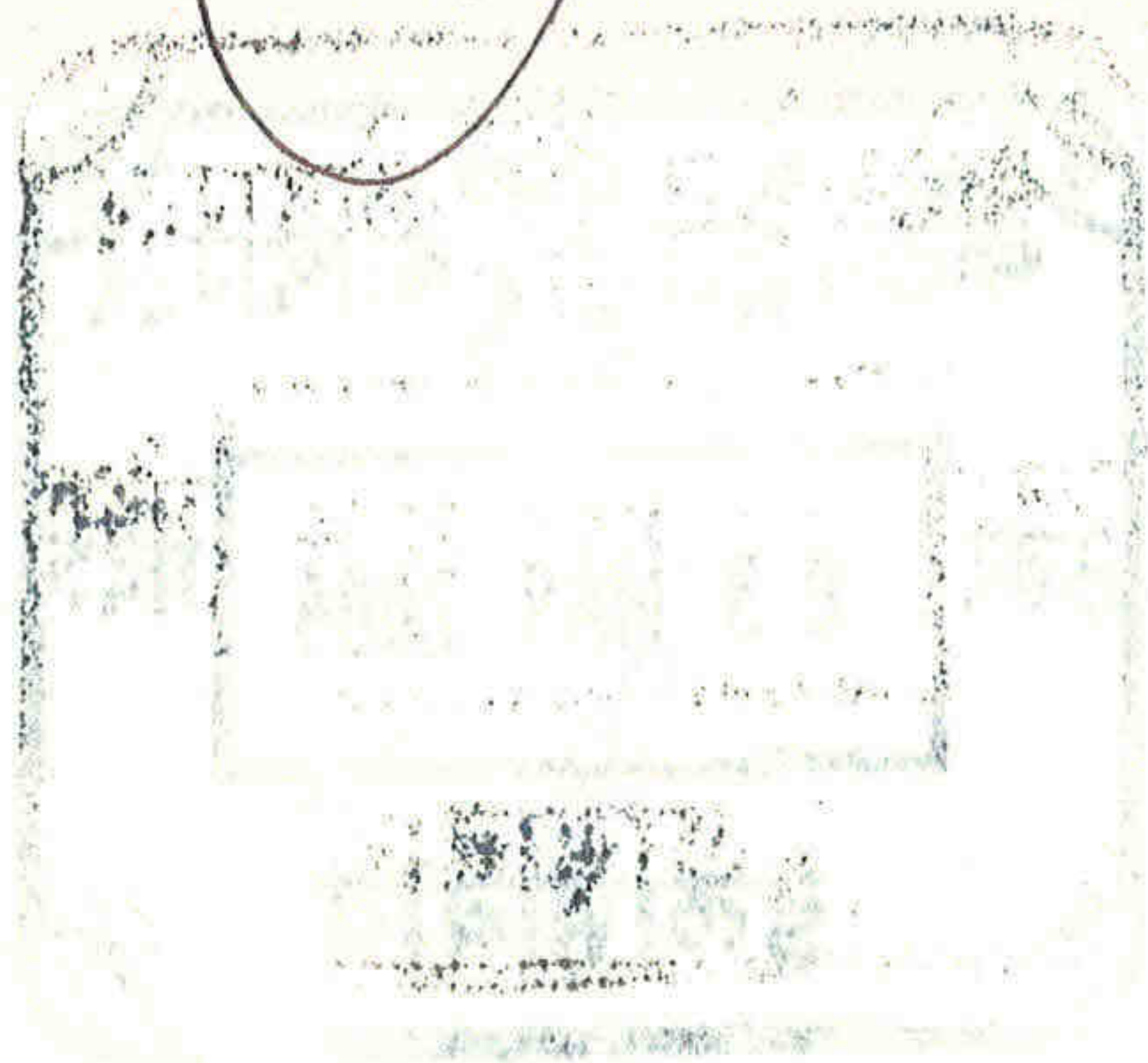
Ghish

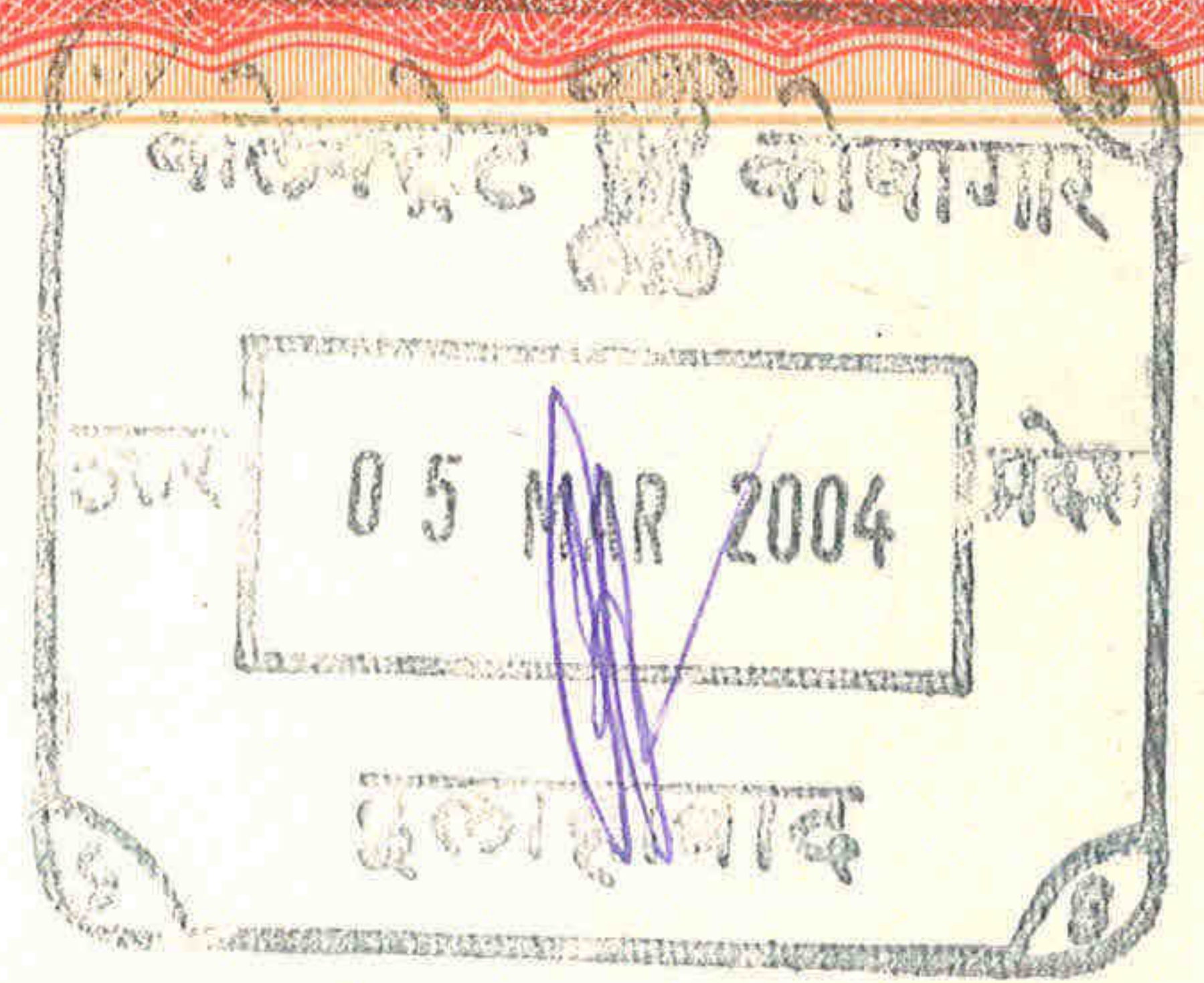
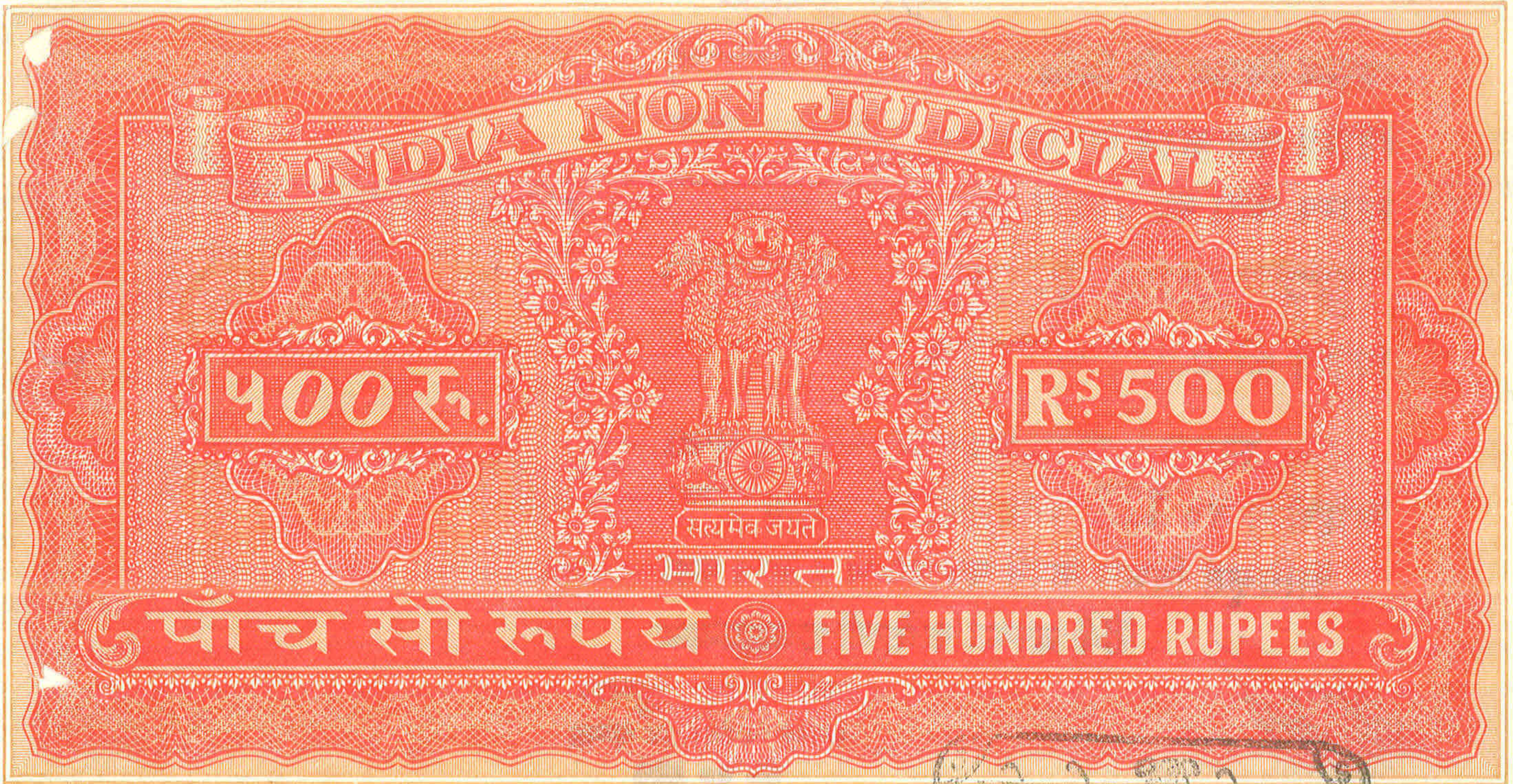
स्टाम्प विक्रेता जन्मा शंकर

लैड नं० 126 चौरासी जन्मा कचेहरी, इला०

ल.० की अवधि 1-4-03 से 31-3-04 तक

285





१०

मस विदार्कती-

[Handwritten signature]

टाइ पकती-

[Handwritten text: प्रेमनाथराज मोडिया २७ धर्मशाला कचहरी इलाहाबाद]

दिनांक ११-३-२००४ ई०

[Handwritten signature]



[Handwritten signature]



[Handwritten signature]



99-3-08

स्टाम्प विक्रेता की तिथि

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन

बैंक में

स्टाम्प क्रय का नाम व पूरा पता

श्री 123 456 789 10 प्रमोद 3647

37-2134-3-1141-3000

स्टाम्प की धारता

200

स्टाम्प विक्रेता का नाम श्रीमन्त सुता

लाइसेंस नं० 122

लाइसेंस की अवधि

29-मार्च-08

अधिकृत विक्रेता करने का स्थान व पूरा पता

84 चम्पा कचेहरी इलाहाबाद

LL

श्री चन्द गुप्ता

स्टाम्प विक्रेता का नाम

पे० नं० 344

आज दिनांक

11-3-04

को पुस्तक संख्या

खण्ड संख्या

4365

के पृष्ठ संख्या

65/84

क्रम संख्या

2621

पर रजिस्ट्रीकरण किया गया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी

सदर, इलाहाबाद

21-मार्च-04

किशोरी लाल



आपने देखा
25/3/04
मार्च 25/6/04
R-6(S)
1/201